पहला कॉलम

चोटिल शारापोवा ने बीच में छोड़ा मुकाबला, रोम मास्टर्स से हुईं बाहर

» रोम। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मारिया शारापोवा ने चोट के चलते रोम मास्टर्स टेनिस का दूसरे दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया। बाईं जांघ पर पट्टी बांधकर उतरीं रूसी सुंदरी ने क्रोएशिया की मिरजाना लूसी बरौनी के खिलाफ उस समय मुकाबले से हटने का फैसला किया जब उन्होंने पहला सेट 4-6 से गंवाने के बाद दूसरा 6-3 से जीतने के बाद तीसरे में 2-1 की बढ़त बना ली थी। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन अगर सेमीफाइनल में पहुंच जाती तो वह विंबलडन के लिए सीधे क्वालीफाइ कर लेतीं। हालांकि इस मुकाबले से पहले शारापोवा को तगड़ा झटका लगा था। उन्हें साल के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिलने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन टूर्नामेंट के आयोजकों ने उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया।

लेबनान के हटने के बाद नेपाल से मैत्री फुटबॉल मैच खेलेगा भारत

» नई दिल्ली। लेबनान के हटने के बाद भारतीय फुटबॉल टीम छह जून को मुंबई में नेपाल से अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। सात जून को मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कांपलेक्स में लेबनान और भारत का मुकाबला होना था, लेकिन पश्चिम एशियाई देश ने अपने खिलाड़ियों को वीजा मिलने में परेशानी के कारण इस मुकाबले से पीछे हटने का फैसला किया। नेपाल इस टीम की जगह भरने के लिए तैयार हो गया है और यह मैच इसी मैदान पर खेला जाएगा। अखिल नेपाल फुटबॉल संघ (एएनएफए) ने आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी।

एएफसी कप में मोहन बागान ने बेंगलुरु एफसी को हराया

» कोलकाता। मोहन बागान ने बुधवार को एएफसी कप के ग्रुप ई के मुकाबले में बेंगलुरु एफसी को 3-1 से आसानी से हरा दिया। जेजे लालपेखलुआ ने नौवें मिनट में मोहन बागान को बढ़त दिला दी थी, लेकिन दूसरे हाफ में 52वें मिनट में सेमिनलेन डाउंगेल ने गोल कर बेंगलुरु को बराबरी पर ला दिया। हालांकि मोहन बागान ने वापसी की और केन लुइस ने 74वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को एक बार फिर बढ़त दिलाई। इसके छह मिनट बाद बिक्रमजीत सिंह ने 80वें मिनट में मोहन बागान के लिए तीसरा गोल किया। इस गोल के बाद बेंगलुरु की हार लगभग तय हो चुकी थी।

भारतीय ग्रैंडमास्टर पेंटला हरिकृष्ण ने दर्ज की पहली जीत

» मास्को। भारतीय ग्रैंडमास्टर पेंटला हरिकृष्ण ने मास्को फिडे ग्रां प्रि टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए पहली जीत दर्ज की। वह मुकाबले के दौरान इग्लैंड के जीएम मिशेल एडम्स से काफी अच्छे दिखे और उन्हें आसानी से हरा दिया। हैदराबाद के ग्रैंडमास्टर ने सफेद मोहरों के साथ खेलना शुरू किया और इंग्लिश खिलाड़ी हरिकृष्ण द्वारा बनाए गए दबाव के आगे टिक नहीं पाए। हरिकृष्ण ने कहा, एडम्स ने मैच के शुरुआती चरण में कुछ गलत चालें चली जिसके कारण मैं अच्छी स्थिति में पहुंच गया।

आईपीएल } पुणे ने फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि 19 मई को मुंबई और कोलकाता के बीच निर्णायक मुकाबला होगा

वो 5 भारतीय बल्लेबाज जो टी-20 लीग में रहे पूरी तरह से फेल

« नई दिल्ली। एजेंसी

क्रिकेट की तर्ज पर भारत में हर साल होने वाले टी20 लीग टूर्नामेंट में इस बार भारतीय टीम के बल्लेबाज पूरी तरह से फेल साबित हुए। साल 2017 की लीग खत्म होने की कगार पर है और पुणे ने फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि 19 मई को मुंबई और कोलकाता के बीच निर्णायक मुकाबला होगा। इस लीग में जितना जलवा विदेशी खिलाडियों का छाया उतना भारतीयों का नहीं। अगर बल्लेबाजी की बात करें तो भारत के कई नामी बल्लेबाजों के बल्ले इस बार शांत दिखे। आइए नजर डाले उन 5 भारतीय बल्लेबाजों पर जो लीग में पूरी तरह से फेल साबित हुए।

1. विराट कोहली

रन मशीन से मशहूर होने वाले भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली बैंगलोर के कप्तान भी हैं। उन्होंने उम्मीद से कम प्रदर्शन करते हुए अपने फैंस को निराश किया। उन्होंने लीग में 10 मैच खेलकर 308 रन बनाए जो उनकी फॉर्म के हिसाब से कुछ भी नहीं हैं। कोहली टी20 लीग 2016 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 16 मैचों में 973 रन बनाकर ऑरेंज कैप पर कब्जा किया था।

2. युसूफ पठान

कोलकाता टीम के ऑलराउंडर यूसुफ पठान की बल्ले से पठानगिरी देखने को नहीं मिली। उन्होंने 15 मैच खेले जिसमें वह सिर्फ 143 रन ही बना सके। उनका उच्चतम स्कोर 59 रहा। पठान लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और उनके ऐसे निराशाजनक प्रदर्शन को देखकर यही कहा जा सकता है कि उनकी टीम में वापसी करना अब मुश्किल ही है।

3. रोहित शर्मा

मुंबई टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भले ही टीम को लीग के क्वालिफायर-2 में पहुंचा दिया हो, लेकिन टीम के योगदान में उनका बल्ला खामोश रहा। क्रिकेट फैंस को उम्मीदें थीं कि रोहित से बड़ी पारियां देखने को मिलेंगी लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। उन्होंने 15 मैच खेले जिस दौरान वह 283 रन ही बना सके, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 67 रहा।

4. युवराज सिंह

सिक्सर किंग के नाम से मशहूर युवराज सिंह इस बार जलवा बिखेरने में नाकाम रहे। उन्होंने हैदराबाद की तरफ से अब तक 12 मैच खेलकर मात्र 252 रन ही बनाए, जिसमें उनकी एक 70 रनों की पारी भी शामिल है। उनके फैंस को आशा थी कि युवराज छक्कों की बरसात करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वह पूरे मैचों में सिर्फ 8 छक्के ही लगा पाए। बता दें कि आईपीएल में सबसे महंगे बिकने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है। 2015 में उन्हें 16 करोड़ में दिल्ली की टीम ने खरीदकर सबको अचंभे में डाल दिया।

5. अजिंक्य रहाणे

रहाणे ने पुणे की तरफ से अब तक 15 मैच खेलते हुए 338 रन जोड़े। हालांकि हालांकि वह पिछले 5 टी20 लीग टूर्नामेंट में 400 से ज्यादा स्कोर करते आए हैं, लेकिन इस बार वह अपनी उम्मीद अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके। हालांकि वे टीम इंडिया के लिए अहम खिलाड़ी हैं और इंग्लैंड में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उन्हें टीम में जगह दी गई है।

विराट बोले, टी 20 के अगले सत्र में होगी शानदार वापसी

बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने टी 20 का लीग 10 में अपनी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर अफसोस व्यक्त किया लेकिन साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि उनकी टीम लीग के अगले सत्र में शानदार वापसी करेगी। विराट ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि इस सत्र में आप लोगों का बहुत प्यार और समर्थन मिला। अगले सत्र में हम शानदार वापसी करेंगे। बेंगलुरु की टीम इस सत्र में 14 मैचों में से मात्र 3 में ही जीत दर्ज कर सकी। पिछले सत्र में 973 रन बनाने वाले टीम इंडिया और बेंगलुरु के कप्तान विराट इस बार 4 अर्धशतकों की बदौलत 308 रन ही बना सके।

सानिया मिर्जा और यारोस्लावा की जोड़ी इटैलियन ओपन के अंतिम आठ में

« रोम। एजेंसी

भारत की शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनकी कजाकिस्तान की जोड़ीदार यारोस्लावा श्वेडोवा ने बुधवार को इटैलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। सानिया और श्वेडोवा की जोड़ी को अंतिम-16 के मुकाबले में यूक्रेन की ओल्गा सावचुक और इलिना स्विटोलिना से भिड़ना था लेकिन यह जोड़ी कोर्ट पर नहीं उतरी और सानिया-श्वेडोवा की जोड़ी को वॉकओवर मिल गया। बता दें कि इससे पहले भारत की सानिया मिर्जा और उनकी चेक जोड़ीदार बारबोरा स्ट्राइकोवा मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। गेब्रिएला डाबरोवस्की और जू यिफान की जोड़ी के हाथों लगातार सेटों में 4-6 3-6 से मुकाबला हारने के कारण महिला युगल खिताब से यह जोड़ी चूक गई थी। टूर्नामेंट में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय-चेक जोड़ी शानदार प्रदर्शन के साथ फाइनल में पहुंची थी, लेकिन वह खिताबी मुकाबले में गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़यों से उलटफेर का शिकार हो गयीं। इससे पहले सिडनी इंटरनेशनल में उपविजेता रहीं सानिया-बारबोरा के लिए यह इस सत्र का दूसरा फाइनल था जहां वे खिताब से चूक गई थीं।

बारिश से हम सभी परेशान हो गए थे : नाइल

« बेंगलुरु। एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 10वें संस्करण के एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी नाथन कल्टर नाइल का कहना है कि तीन घंटे तक चली बारिश के कारण सभी खिलाड़ी परेशान हो गए थे। मैन ऑफ द मैच चुने गए नाइल ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों को आशा नहीं थी अब खेल हो पाएगा, क्योंकि आप दो बजे क्रिकेट नहीं खेल सकते। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बुधवार रात खेले गए मैच में कोलकाता ने हैदराबाद को सात विकेट से मात दी। इस मैच के दौरान बारिश ने बाधा डाली थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने कोलकाता के खिलाफ 129 रनों का लक्ष्य रखा। तीन घंटे से ज्यादा देर तक चली बारिश थमने के बाद कोलकाता को डकवर्थ लुइस नियम के हिसाब से छह ओवरों में 48 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। इन छह ओवरों में दो ओवर पावर प्ले के थे। इस लक्ष्य को कोलकाता ने 5.2 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया और दूसरे क्वालीफायर में प्रवेश किया। कोल्टर नाइल ने कहा, मैच के बीच में जब बारिश हुई थी, तो हम आश्वस्त थे कि यह जल्द ही रुक जाएगी, क्योंकि आईपीएल का मैच 12.50 पर पूरी तरह से समाप्त हो जाता है। हालांकि,बारिश होती रही और इससे हम परेशान हो गए, क्योंकि आप दो बजे क्रिकेट नहीं खेल सकते। हमारे लिए विकेट अच्छी रही। टीम के गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। पीयूष चावला ने हैदराबाद के लिए रन बना रहे कप्तान डेविड वॉर्नर को आउट कर अहम विकेट लिया। वह हैदराबाद के स्कोर को 130 से 160 तक पहुंचा सकते थे। चोट से वापसी करने वाले कोल्टर नाइल ने एलिमिनेटर मैच में कोलकाता के लिए 20 रन देकर तीन अहम विकेट लिए थे। कोल्टर नाइल ने कहा, सिर पर लगी चोट ने मुझे इस मैच में उतना प्रभावित नहीं किया, जितना यह कुछ दिन पहले कर रही थी। मैं रात को 10 बजे सो जाता था और सुबह सात बजे उठता था और उठने के बाद मुझे सिर दर्द होता था। हालांकि, अब यह परेशानी खत्म हो गई है।

द.अफ्रीका ने रोका भारतीय महिलाओं का विजय रथ

» पोचेफस्ट्रूम। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के विजय रथ को 4 देशों के एकदिवसीय टूर्नामेंट में 8 रन की रोमांचक जीत के साथ थाम लिया। दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को 50 ओवर में 5 विकेट पर 269 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। भारतीय टीम निर्धारित ओवर में 9 विकेट पर 261 रन ही बना सकी और उसे टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद भारतीय टीम 19 अंकों के साथ शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका के इस जीत के बाद 19 अंक हो गए हैं लेकिन वह रन औसत में पिछड़कर दूसरे स्थान पर है। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें अब 21 मई को होने वाले फाइनल में आमने सामने होंगी। इससे पहले शुक्रवार को भारत का आखिरी लीग मुकाबला जिम्बाब्वे से और दक्षिण अफ्रीका का आयरलैंड से होगा। दक्षिण अफ्रीका की जीत में उसकी तीन शीर्ष बल्लेबाजों एंड्रेई स्टेन(83), तृषा चेट्टी(76) और कप्तान क्लो ट्रायन (नाबाद 77) का जबरदस्त योगदान रहा। स्टेन ने 134 गेंदों में 8 चौके, चेट्टी ने 102 गेंदों में सात चौके और ट्रायन ने मात्र 39 गेंदों में 5 चौके तथा 6 छक्के लगाए। भारतीय टीम के लिए ओपनर दीप्ति शर्मा ने 71, पूनम राउत ने 35, कप्तान मिताली राज ने 54, हरमनप्रीत कौर ने 20, मोना मेशराम ने 22 और शिखा पांडे ने नाबाद 36 रन बनाये। शबनिम इस्माइल ने 54 रन पर सर्वाधिक 3 विकेट लिए। ट्रायन को प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार मिला।

सेमीफाइनल के लिए भारतीय टीम घोषित, मनप्रीत बनें कप्तान

« नई दिल्ली। एजेंसी

हाफबैक मनप्रीत सिंह को इंग्लैंड में होने वाले विश्व लीग सेमीफाइनल और अगले महीने जर्मनी में होने वाले तीन देशों के आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए भारतीय हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। नियमित कप्तान पी आर श्रीजेश घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। तीन देशों का आमंत्रण टूर्नामेंट जर्मनी के डसेलडोर्फ में एक जून से खेला जाएगा जबकि हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल 15 जून से लंदन में होगा। अठारह सदस्यीय टीम जर्मनी और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। लंदन में विश्व हॉकी लीग सेमीफाइनल में भारत को पूल बी में कनाडा, नीदरलैंड, पाकिस्तान और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है। भारत के उपकप्तान चिंग्लेनसना सिंह के होंगे। टीम में प्रदीप मोर, कोथाजीत सिंह, सुरेंदर कुमार, रूपिंदर पाल सिंह और हरमनप्रीत सिंह डिफेंस पंक्ति में होंगे। हरमनप्रीत और रूपिंदर पेनल्टी कॉर्नर का जिम्मा संभालेंगे जबकि आकाश चिकते और विकास दहिया गोलकीपर होंगे। श्रीजेश को सुल्तान अज़लान शाह कप टूर्नामेंट के लीग चरण के दौरान चोट लगी थी। मिडफील्ड में एस।के उथप्पा, सतबीर सिंह, हरजीत सिंह, चिंग्लेनसना सिंह, अनुभवी मनप्रीत और सरदार सिंह होंगे। उथप्पा और सतबीर को अज़लान शाह कप में आराम दिया गया था जिसमें भारत ने कांस्य पदक जीता। फॉरवर्ड पंक्ति में रमनदीप सिंह, एस।वी सुनील, आकाशदीप सिंह, तलविंदर सिंह और मनदीप सिंह होंगे। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच रोलेंट ओल्टमेंस ने कहा, हम सुल्तान अज़लान शाह कप के बाद कुछ पोजिशंस में बदलाव करना चाहते थे। इस साल अज़लान शाह कप समेत हमारे पास तीन दौरे थे जिसमें हम युवाओं को मौका देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम कुछ नए खिलाड़ियों को ले रहे हैं लेकिन हमारा लक्ष्य हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल में शीर्ष दो में रहना है।

प्रदर्शन | स्वर्ण पदक की अहमियत अलग होती है और इसकी किसी और पदक से तुलना नहीं हो सकती

अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा एशियाई कुश्ती का स्वर्ण: बजरंग पूनिया

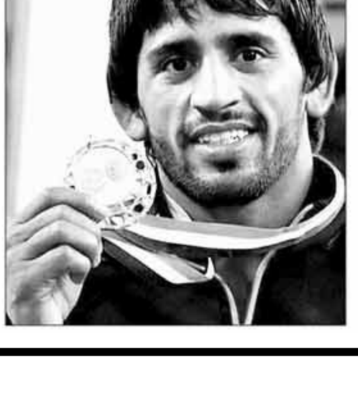

« नई दिल्ली। एजेंसी

पहली बार किसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान बजरंग पूनिया को भरोसा है कि एशियाई चैंपियनशिप में मिली सफलता उन्हें इस वर्ष होने वाली विश्व कुश्ती में अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले बजरंग ने हाल ही में दिल्ली में हुई एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पीला तमगा जीता। उन्होंने कहा, अब मैं एशियाई चैंपियन हूं। स्वर्ण पदक की अहमियत अलग होती है और इसकी किसी और पदक से तुलना नहीं हो सकती। इसकी अपनी चमक है और चैंपियन बनने के मायने होते हैं। मैं चाहूंगा कि बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करूं। पेरिस में अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे 23 वर्षीय बजरंग ने कहा कि इस उपलब्धि से वह पदक के दावेदार हो गए हैं। उन्होंने कहा, एशिया में ईरान और जापान जैसे देशों के पहलवान बेहतरीन हैं। एशियाई चैंपियन बनने के बाद मुझमें विश्व स्तर पर अच्छे प्रदर्शन का विश्वास जगा है। मैंने विश्व चैंपियनशिप पर फोकस करना शुरू कर दिया है। वहां प्रतियोगिता कड़ी होगी, लेकिन मैं मेहनत करने को तैयार हूं ताकि और अच्छा प्रदर्शन कर सकूं। उनके मेंटॉर और ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त ने उन्हें डिफेंस की बजाय अटैक पर ज्यादा मेहनत करने की सलाह दी जिस पर वह अमल कर रहे हैं। बजरंग ने कहा, %योगी भाई मुझे हमेशा कहते हैं कि आक्रमण करते रहो। यही मेरी ताकत है। रक्षात्मक खेलने का मुझे नुकसान होता है। विश्व कप के दौरान रक्षात्मक खेलने से मैंने अंक गंवाए। योगी भाई ने मुझे कहा कि विरोधी को आक्रमण का मौका मत दो और मैं वही करता हूं। बजरंग की एक और ताकत उनका दमखम है और उन्होंने कहा कि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए वह अपनी रफ्तार पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, %मैं आक्रमण के दौरान अपनी रफ्तार पर काफी भरोसा करता हूं। मैं अपनी तेजी बढ़ाने के लिए मेहनत कर रहा हूं जिससे मेरा दमखम बढ़ेगा।